

सत्यापन

प्रमाणित किया जाता है! कि मुस्कान सिंह प्रथम सेमेस्टर कला) डॉ ० विभूति नारायण सिंह परिसर, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ गंगापुर, वाराणसी की छात्रा हूं! सन २०२४ से २०२५ मेरा निर्देशन में यथा विधि पूर्ण कार्य किया है! इसका यह कार्य मौलिक है! तथा शोध पत्र में परीक्षा के लिए अग्रसारित करती हूं! मैं इनके उज्जवल भविष्य की कामना करती हूं!

प्रोफेसर श्री सुमित घोष

(असिस्टेंट प्रोफेसर)

ललित कला विभाग विभूति नारायण सिंह परिसर
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ गंगापुर वाराणसी

आभार

सर्वप्रथम में उनका हृदय से आभार व्यक्त करती हूं
जिन्होंने मुझे जन्म दिया मेरे माता-पिता जिनकी वजह
से मैं ऊंचाइयों तक पहुंच पाई हूं! जिन्होंने मेरी कलाकृति
को पहचान और मुझे अपने सपने को आगे बढ़ाना और लक्ष्य
को पूरा करने के लिए आवश्यक कौशल क्षमता और विश्वास
दिलाया है! मैं ईश्वर को भी आभार प्रकट करती हूं! जिन्होंने
मुझे इस संसार में कला व प्रकृति से जुड़ने का अवसर प्रदान
किया है! सीखने के लिए गुरु की आवश्यकता पड़ती है! मैंने
जो भी अपने गुरुजनों से सीखा है! मैं सर्वप्रथम अपने प्रदर्शन
सर्व शिक्षा संपन्न महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ गंगापुर परिसर
के श्री सुमित घोष सर जी का विनम्रता पूर्वक हृदय से आभार प्रकट
करती हूं! जिन्होंने मेरे विषय चयन के प्रकरण को पूर्ण करने में अपना
बहुमूल्य समय देकर सहयोग व निरंतर शोषण की साथ प्रयास किया!
विभाग के अध्यापक डॉक्टर शशिकांत नाग सर, श्री गौरव दुबे सर,
डॉ० अर्चना पांडे (मैम) के प्रति आभार व्यक्त करती हूं जीनू जिनके लिए
मैं जीवन भर आभारी रहूंगी अतः मैं उन सभी गुरुजनों मित्रों व शुभचिंतकों
का आभार व्यक्त करती हूं! जिन्होंने अपने अनुभव व विचारों को हमारे
समक्ष प्रस्तुत किया!

मुस्कान सिंह
एम०एफ०ए द्वितीय
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ
गंगापुर, परिसर वाराणसी

कला यात्रा

मैं मुस्कान सिंह मेरा जन्म वाराणसी जिले में मेरी प्रारंभिक शिक्षा वाराणसी जिले में एक स्कूल में हुई! मुझे बचपन से कला में रुचि रही है! परंतु अत्यधिक रूप से कला में रुचि कक्षा ६ से हुई! मुझे कलाकृति की प्रेरणा हाई स्कूल से मैडम से मिली उनकी विभिन्न कलाओं देखकर मेरे मन में कला के प्रति शिक्षा जा एनी! तब से मैं कला के प्रति परिपूर्ण हूँ! मेरी कला के शिक्षा में मदद की! कला से पढ़ाई करने के लिए मैंने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ गंगापुर, परिसर वाराणसी में बी०एफ०ए में दाखिला लिया एवं अपनी शिक्षा प्रारंभ की जहां हमारी मुलाकात डॉ० शशिकांत नाग सर, श्री सुमित घोष सर से हुई जिसे हमने जल रंग पोस्ट रंग तथा ग्राफिक डिजाइन आदि की शिक्षा ग्रहण और कार्य करना प्रारंभ किया! श्री गौरव दुबे एवं अर्चना पांडे मैं का भी मार्गदर्शन रहा! पुनः मैं इसी परिसर से पढ़ाई रही हूँ! स्नाकोत्तर एम०एफ०ए प्रथम सेमेस्टर है! डॉक्टर सुमित घोष के निर्देश में ग्राफिक डिजाइन कम्युनिकेशन की शिक्षा कर रही हूँ! और मैं प्रथम सेमेस्टर में सुमित सर के टॉपिक में निर्देश के अनुसार केक पर कार्य कर रही हूँ!

मैनुअल पोस्टर



मैनुअल पोस्टर हाथों की सहायता से पोस्ट रंग द्वारा निर्मित किया जाता है! सबसे पहले हमें ४ से ६ खाना तैयार करना होता है! फिर उसमें एक अंतिम पोस्टर का स्वरूप बनता है! मैनुअल पोस्टर में शिक्षक रूपी शिक्षक लोगों से नंबर वेबसाइट होता है जो पोस्टर की पहचान के लिए आवश्यक है, पोस्टर विज्ञापन का एक अच्छा माध्यम माना जाता है! मैंने दो मैनुअल पोस्टर तैयार किया है!

बैनर



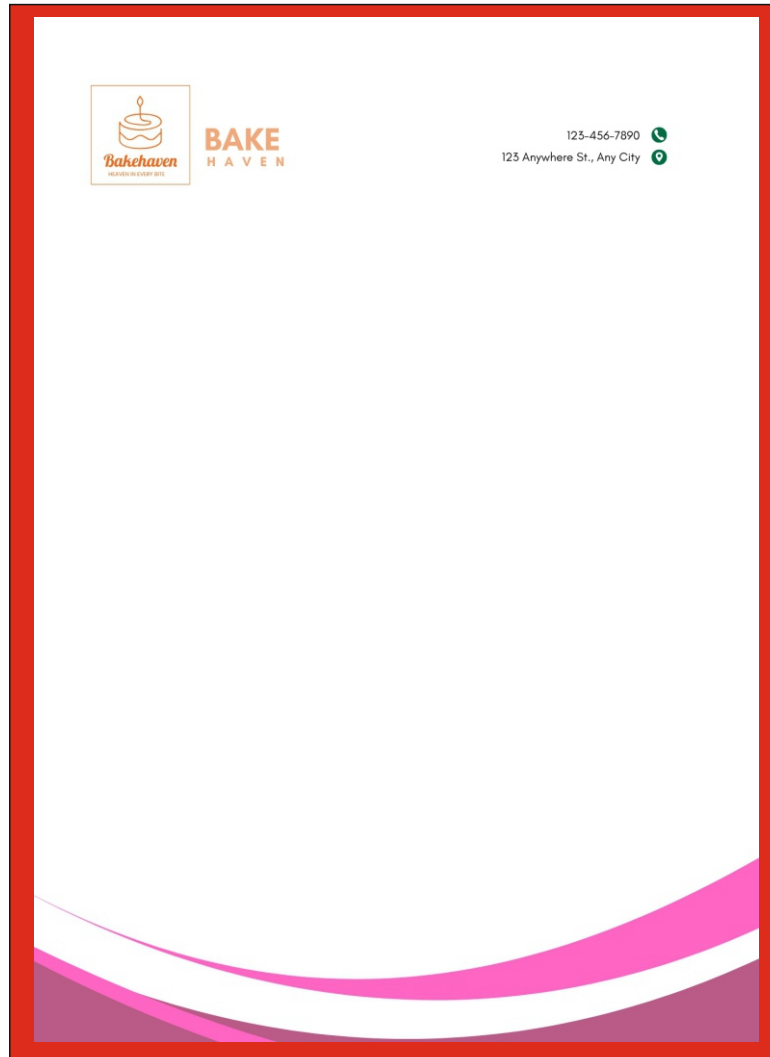
बैनर पर हम कोई भी डिजाइन बनाकर तैयार करते हैं।
जो एक का टुकड़ा भी हो सकता है, इतने विज्ञापन शिक्षकों
का लोगो और एक संकेत बड़े आकार में लिखा जाता है जो दूर
से दर्शन को भली भांति दिखाई दे बैनर को रस्सी के सहारे
रोड के किनारे व चौराहों पर खंबो के साथ बांधा जाता है।
जिससे देखने वालों तक संदेश आसानी से पहुंच सके और
उन्हें आकर्षित करें।

होडिंग



यह में मार्केट में देखा जाता है इसका साइज
२०-३०, २०-४०, २०-६० आदि आकारों में देखा
जाता है!

लेटर हेड



यह आमतौर पर किसी संस्था कंपनी या कार्यस्थल क जानकारी लिखने माल का परिचय देने या आर्डर के समानों की सूची बनाने के काम में आता है। इसमें दिनांक कर्म संख्या लोगो कि संख्या का नाम पता छोटा संदेश लिखा जाता है। यह विभिन्न आकारों में बनाया जाता है, और बहुत उपयोगी होता है। साधारण भी डिजाइनों में इसके प्रारूप बनाए जाते हैं और लिखने की पर्याप्त जगह रखी जाती है।

पत्रिका विज्ञापन



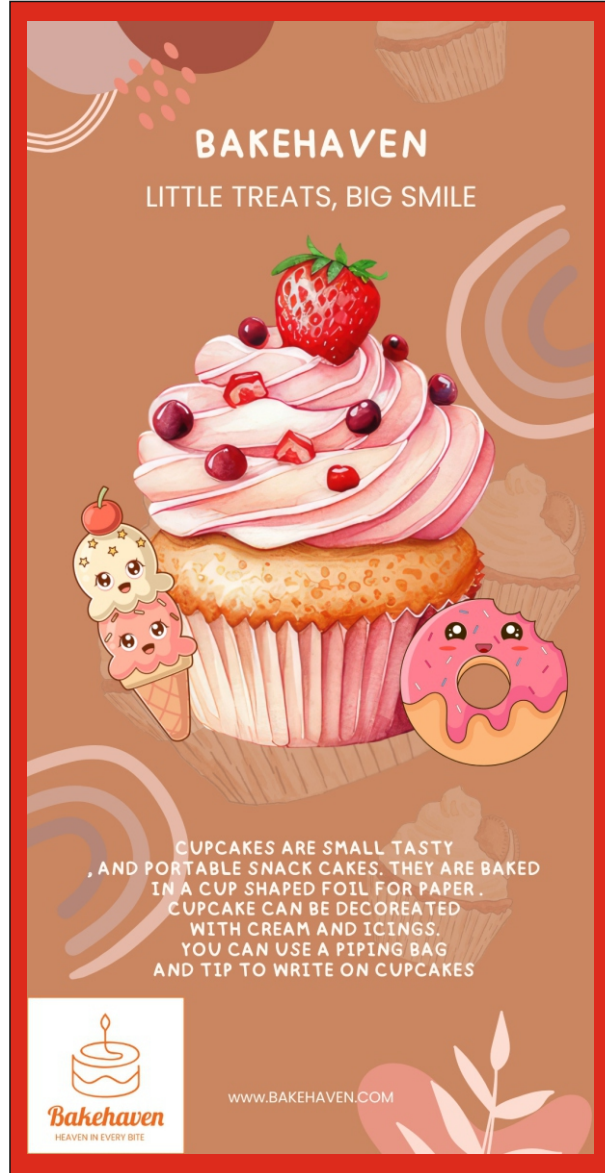
पत्रिका विज्ञापन डिजाइन में भरपूर मात्रा में कॉपी मैटर लिखते हैं! व साथ में लोगों चिन्ह शीर्षकए उपशीर्षकए वेबसाइट तथा मुख्य शीर्षक भी लिखे जाते हैं! पत्रिका डिजाइन मुख्य रूप से पत्रिकाओं में प्रकाशित करने के लिए तैयार किया जाता है!

डेंगलर



यह एक खास तरह के विज्ञापन में प्रयुक्त किए जाते हैं!
आजकल बाजार में हर डिजाइन के डेंगले देखने को मिलते
हैं! यह आकार में छोटा और प्रभावशाली होता है दुकान और
शॉपिंग मॉल में देखने को मिलता है! और इसके दोनों ओर डिजाइन
बने होते हैं! यह प्रारूप भी डिजिटल माध्यम में निर्मित है।

समाचार पत्र



त्तममे 'कक समाचार पत्र के बीच छोटे-बड़े आकार में मुद्रित विज्ञापन प्रेस विज्ञापन डिजाइन कहलाता है! इसमें काफी मैटर अधिक लिखा जाता है, क्योंकि पाठक समाचार पत्र पढ़ते समय विज्ञापन भी ध्यान से देखते हैं! और विज्ञान की विस्तृत जानकारी से ही पाठक को सही जानकारी प्राप्त होती है! इसमें शीर्षक, उपशीर्षक, मुख्य शीर्षक के साथ ही साथ कॉफी मैटर में लिखा जाता है एवं लोगों चिन्ह वेबसाइट को भी सम्मिलित किया जाता है उपरोक्त अभिरूप समाचार पत्र आदि में प्रचार करने के लिए प्रयोग किया जाता है!

लिफाफा



यह कागज को मोड़कर तैयार किया जाता है। इस पर बहुत ज्यादा डिजाइन न बनाकर उस स्वास प्रचार या विज्ञापन का नाम, पता, लोगों चिन्ह, मोबाइल नंबर व उसके बारे में पूरा विवरण देते हैं। इसकी डिजाइन कम्पनी या दुकान वाले अपने हिसाब से प्रचार के इस्तेमाल में लेते हैं।

विजिटिंग कार्ड



यह भी डिजिटल माध्यमों द्वारा विज्ञापन के लिए
विजिटिंग कार्ड तैयार किया जाता है! जो की साइज
में छोटा होता है!